देश के पहले आर.आर.टी.एस. नेटवर्क से जुड़ेगा राजस्थान

अलवर, सोतानाला से नई दिल्ली के बीच दौड़ेगी ''नमो भारत ट्रेन''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता से राजस्थान को नई दिल्ली से तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय परिवहन नेटवर्क के जरिए जोड़ने वाली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को नई गति मिली है। राज्य सरकार और हरियाणा सरकार के बीच सहमति बनने से अब आने वाले समय में राजस्थान ''नमो भारत'' नेटवर्क से जुड़ेगा और दिल्ली से अलवर के बीच ''नमो भारत ट्रेन'' का संचालन संभव हो सकेगा।

नई दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होने वाला दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर कॉरिडोर मुनिरका, एरोसिटी, गुरुग्राम, बावल होते हुए एसएनबी से खैरथल एवं अलवर तक पहुंचेगा। वहीं, एसएनबी से इसका दूसरा हिस्सा नीमराणा, बहरोड़ होते हुए सोतानाला तक विस्तारित होगा। इससे राजस्थान के भिवाड़ी एवं नीमराना सहित एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा तथा निवेश व रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए तैयार 'एकीकृत परिवहन योजना' के तहत क्षेत्र के प्रमुख शहरों को आधुनिक एवं तीव्र परिवहन प्रणाली से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ, दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर तथा दिल्ली-पानीपत- करनाल कॉरिडोर को नमो भारत कॉरिडोर्स के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन

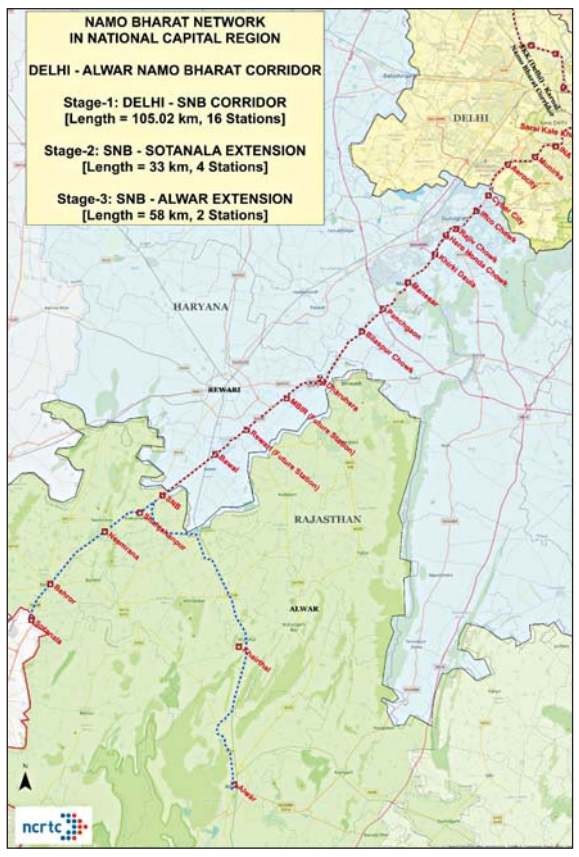

- प्रदेश में बनेगा 91 किमी लंबा आर.आर.टी.एस. कॉरिडोर
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता से मिली परियोजना को नई गति

कॉरिडोर्स में से दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर का लोकार्पण भी हो चुका है।

इस पूरी परियोजना के अन्तर्गत कुल 196 किलोमीटर लंबा नमो भारत नेटवर्क एवं 22 मुख्य स्टेशन प्रस्तावित हैं, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई मजबूती प्रदान करेंगे। राजस्थान में इस परियोजना की कुल लंबाई 91 किलोमीटर होगी और इसमें 6 स्टेशन प्रस्तावित हैं। यह नेटवर्क 160 किलोमीटर प्रति घंटा की उच्च गति जैसी सुविधाओं से लैस होगा। नमो भारत नेटवर्क के तीनों कॉरिडोर्स को इंटर-ऑपरेबल भी बनाया जा रहा है, जिससे यात्री एक कॉरिडोर से दूसरे कॉरिडोर तक निर्बाध और त्वरित यात्रा कर सकेंगे। दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन पर ये कॉरिडोर्स परस्पर जुड़ेंगे। आरआरटीएस ट्रेनों का संचालन डेडिकेटेड एवं एलिवेटेड कॉरिडोर पर किया जाएगा, जिससे यह सड़क यातायात और जाम से पूरी तरह मुक्त रहेगा। साथ ही, इस पूरे नेटवर्क को रेलवे स्टेशन, बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एयरपोर्ट और दिल्ली मेट्रो से जोड़ा जाएगा। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) सार्वजनिक परिवहन का एक अत्याधुनिक मॉडल है, जिसे विशेष रूप से एनसीआर क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसकी ट्रेनें मेट्रो की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक गति से संचालित होती है।

जहां मेट्रो मुख्यत: एक शहर के भीतर यात्रा का माध्यम है, वहीं आरआरटीएस निटकवर्ती शहरों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से जोड़ने का कार्य करती है। हरियाणा और राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरने वाला दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर कॉरिडोर न केवल एनसीआर क्षेत्र में आवागमन को तेज एवं सुगम बनाएगा, बल्कि राजस्थान में औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना के विस्तार के नये युग का सूत्रधार बनेगा।

रेलवे ट्रैक पर युवक का क्षत विक्षत शव मिला

जयपुर। शिप्रा पथ थाना क्षेत्र में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर सोमवार को एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत होना सामने आ रहा है। सूचना पर पहुंची जीआरपी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार ट्रैक पर युवक का शव पडे होने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि शव दो टुकडों में बंटा हुआ था। युवक का धड कमर से अलग हो चुका था तथा दाहिना हाथ भी शरीर से अलग पडा मिला। पुलिस ने शव के सभी हिस्सों को एकत्रित कर अस्पताल भिजवाया। मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पहचान के लिए पुलिस ने युवक के शरीर पर बने टैटू के आधार पर जांच शुरू की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के आराध्यदेव श्री गोविंददेवजी मंदिर एवं मोती डूंगरी स्थित श्री गणेश मंदिर पहुंचकर सपत्नीक पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं आमजन के लिए खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की।

सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणियों की निंदा की एटक ने

जयपुर (कासं)। सीजेआई (भारत के मुख्य न्यायाधीश) न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा बेरोजगार युवाओं और आरटीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों की ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने निन्दा की है। एटक, राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष एम.एल. यादव ने कहा कि सीजेआई द्वारा बेरोजगार युवाओं और कार्यकर्ताओं के लिए 'कॉकरोच' और 'परजीवी' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग स्पष्टरूप से निंदनीय है। यद्यपि मुख्य न्यायाधीश ने बाद में कुछ स्पष्टीकरण दिए हैं, फिर भी प्रयुक्त भाषा अत्यंत चिंताजनक है और गहरी असंवेदनशीलता तथा उदासीनता को दर्शाती है।

यादव ने कहा कि एटक पुन: स्पष्ट करती है कि बेरोजगार युवा नीतिगत विफलताओं और आर्थिक असमानता के शिकार हैं। ट्रेड यूनियनें, आरटीआई कार्यकर्ता, पत्रकार और सामाजिक आंदोलन राष्ट्र के दुश्मन नहीं हैं; वे लोकतंत्र और संवैधानिक जवाबदेही के अनिवार्य स्तंभ हैं। बेरोजगार युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' और 'परजीवियों' से करना अत्यंत अपमानजनक, अमानवीय और पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह पहला अवसर नहीं है जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत की टिप्पणियों में मेहनतकश जनता और ट्रेड यूनियनों के प्रति पूर्वाग्रह झलका हो। इससे पहले भी उन्होंने औद्योगिक विकास की धीमी गति के लिए ट्रेड यूनियनवाद को जिम्मेदार ठहराते हुए अत्यंत अनुचित टिप्पणियाँ की थीं, जिनका व्यापक विरोध हुआ था। वही चिंताजनक शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण एक बार फिर सामने आया है। यह स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज भारत अभूतपूर्व बेरोजगारी, अस्थायी रोजगार, श्रम सुरक्षा में कटौती और बढ़ती आर्थिक असुरक्षा के गंभीर संकट का सामना कर रहा है। लाखों शिक्षित युवाओं के संघर्ष और पीड़ा अत्यंत व्यापक हैं। यह स्थिति नवउदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम है, जिन्होंने सार्वजनिक रोजगार को कमजोर किया, श्रमिक अधिकारों को क्षति पहुंचाई तथा ठेका प्रथा और निजीकरण को बढ़ावा दिया। यह चिंता भी बढ़ रही है कि भारतीय न्यायिक व्यवस्था जनता के प्रति न्याय और समानता के संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में अपेक्षित स्तर तक सफल नहीं रही है। ऐसे समय में उपहास नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सहानुभूति की आवश्यकता है।

कार्यकर्ता विकास वर्ग का उद्घाटन

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम का सोमवार को राजापार्क, जयपुर में औपचारिक उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल और दायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्ग का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है।

निंबाराम ने कहा कि शाखा संघ कार्य का आधार है तथा शाखा के माध्यम से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास होता है।

शाखा व्यक्ति निर्माण का माध्यम है और व्यक्ति निर्माण से ही समाज एवं राष्ट्र का निर्माण संभव है।

आबकारी विभाग ने पकडी 60 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब

जयपुर। प्रदेश में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बडी कार्रवाई करते हुए कोटा में एक ट्रक से करीब 60 लाख रुपए मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त आयुक्त कोटा जोन नरेश कुमार मालव ने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध लगातार गश्त, नाकाबंदी और दबिश अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर रविवार रात नेशनल हाईवे-52 स्थित नया टोल प्लाजा गोपालपुरा के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।

जांच में ट्रक में टाट की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी गई फॉर सेल इन चंडीगढ़ अंग्रेजी शराब की बडी खेप बरामद हुई। मौके से राजस्थानी व्हिस्की ब्रांड के 1360 कार्टन, जिनमें 65 हजार 280 पव्वे भरे हुए थे, जब्त किए गए। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए आंकी गई है।

कार्रवाई में जिला आबकारी अधिकारी बारां देवेन्द्र गिरी, जिला आबकारी अधिकारी कोटा विवेक शर्मा तथा सहायक आबकारी अधिकारी नारायण सिंह तोमर के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान में आबकारी निरीक्षक चेतन, प्रदीप मीणा, पीओ प्रमोद सिंह, हंसराज मीणा और पृथ्वीराज सिंह मीणा सहित अन्य अधिकारी और जाप्ता शामिल रहा।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने प्रदेशभर में अवैध शराब की तस्करी, निर्माण और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है, वहां विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी विभाग ने कोटा में एक ट्रक से करीब 60 लाख रुपए मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को उम्रकैद

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम 1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग को ब्लैकमेल कर उसके साथ लंबे समय कर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त राहुल मंडल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार ने अपने आदेश में कहा कि मासूम बच्चियों के खिलाफ होने वाले ऐसे अपराध समाज की अंतरात्मा को झकझोर देते हैं। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता ने साल 2022 में विद्याधर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि साल 2018 में स्कूल में पढने के दौरान अभियुक्त ने उसे नशीला पेय पिलाकर उसके आपत्तिजनक फोटो खींच लिए थे। इसके बाद वह इन फोटो को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे बुलाने लगा। इस दौरान अभियुक्त ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। अभियुक्त ने पीडिता के पिता को भी धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। इससे परेशान होकर उसने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सील गोदाम में चोरी करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सील किए गए गोदाम में चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद किया है। आरोपियों के कब्जे से एल्यूमिनियम, कॉपर, पीतल, लोहे का स्क्रैप और मशीनों सहित लाखों रुपए का माल बरामद किया गया।

पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सील किए गए गोदाम में चोरी करने वाले तीन शातिर चोर पवन उर्फ पोंड्या (24), अभिषेक वर्मा (20) और विजय बैरवा (21) को गिरफ्तार किया है। मालपुरा गेट थाना प्रभारी उदयभान यादव ने बताया कि मामले में परिवादी अमनदीप ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी फर्म का गोदाम सांगासेतु पुलिया के पास शिकारपुरा रोड पर स्थित है, जिसे नगर निगम द्वारा यूडी टैक्स जमा नहीं होने के कारण सील कर दिया गया था। गोदाम में करीब ढाई लाख रुपए मूल्य का एल्यूमिनियम, कॉपर, पीतल, लोहे का स्क्रैप, वेल्डिंग मशीन, कटर मशीन और ग्राइंडर आदि सामान रखा हुआ था। 14 मई 2026 की रात अज्ञात चोर गोदाम से सामान चोरी कर ले गए। इस पर मालपुरा गेट थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गईजांच के दौरान पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और पूर्व में चोरी के मामलों में शामिल बदमाशों से पूछताछ की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी पवन उर्फ पोंड्या, अभिषेक वर्मा और विजय बैरवा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से अधिकांश सामान बरामद कर लिया।

- आरोपियों के कब्जे से एल्यूमिनियम, कॉपर, पीतल, लोहे का स्क्रैप और मशीनों सहित लाखों रुपए का माल बरामद

नाबालिग अभियुक्त को 10 वर्ष की सजा

हत्या के बाद पांव काटकर चांदी के कड़े लूटे थे

जयपुर। जिले के बालक न्यायालय ने पशु चराने गई महिला की हत्या करने के बाद उसके पांव काटकर चांदी के कडे लूटने वाले करीब 17 वर्षीय अभियुक्त को दस साल की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी माधवी दिनकर ने अपने आदेश में कहा कि केवल गहने लूटने के लिए महिला की हत्या कर उसके पांव काट देना, केवल एक अपराध नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की पूर्ण समाप्ति का संकेत है।

इतनी कम उम्र में व्यक्ति लालच के लिए इतनी क्रूरता कर सकता है तो यह सिर्फ व्यक्तिगत विकृति नहीं बल्कि समाज, संस्कार, हिंसक मानसिकता और नैतिक पतन पर भी गंभीर सवाल खडे करता है।

एक इंसान की जान की कीमत चांदी के कडो से कम समझ लेना अत्यंत शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि कोर्ट बालक न्यायालय के रूप में काम कर रहा है। ऐसे में वह अभियुक्त को फांसी या आजीवन कारावास से दंडित नहीं कर सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक सुरेश कुमार शर्मा ने अदालत को बताया कि 19 अक्टूबर, 2021 को रामगोपाल शर्मा ने जमवारामगढ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी पत्नी दोपहर को अपने खेत पर पशु चराने गई थी। थोडी देर बाद उसके पास परिचित व्यक्ति का फोन आया कि उसकी पत्नी को किसी ने मार दिया है।

जब वह मौके पर पहुंचा तो उसकी पत्नी मरी हुई पडी थी और दोनों पांव के पंजे कटे हुए थे। इसके अलावा पत्नी के पैरों के कडे व कानों की बालिया शरीर पर मौजूद नहीं थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष पर अमृत महोत्सव का आगाज

नए प्रतीक चिन्ह का विमोचन और 13 द्वारों का नामकरण किया गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को विधानसभा परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) का विमोचन किया तथा विधानसभा भवन के 13 द्वारों के नामकरण की पट्टिकाओं का अनावरण कर विधानसभा अमृत महोत्सव का औपचारिक शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में लोकतंत्र, संस्कृति और राजस्थान की गौरवशाली विरासत की झलक देखने को मिली।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र सदन है और राजस्थान विधानसभा का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही स्वतंत्र भारत में 1952 में विधानसभा गठित हुई, लेकिन राजस्थान में लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव 1913 में ही रख दी गई थी, जब महाराजा गंगासिंह ने प्रतिनिधि सभा की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि विधानसभा के अमृतकाल में नए प्रतीक चिन्ह का विमोचन ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, स्पीकर वासुदेव देवनानी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) का विमोचन किया।

राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि नया प्रतीक चिन्ह राजस्थान की संस्कृति, संघर्षशीलता और जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतीक चिन्ह में शामिल खेजड़ी वृक्ष, गोडावण, ऊंट और विधानसभा भवन की आकृतियां राजस्थान की पहचान को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि खेजड़ी राजस्थान का कल्पवृक्ष है और यह त्याग, पर्यावरण संरक्षण तथा लोकमंगल का प्रतीक है। गोडावण और ऊंट को उन्होंने मरुधरा की सहनशीलता, समन्वय और जीवटता का प्रतीक बताया।

समारोह के दौरान राज्यपाल ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर हल्के-फुल्के अंदाज में सियासी तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री टीकाराम पालीवाल थे। जूली की ओर इशारा करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि जब मैंने नाम सुना कि पहले मुख्यमंत्री टीकाराम थे तो लगा नहीं कि ये होंगे, इनकी उम्र तो कम है। आगे इनका नंबर कब आएगा, यह भी पता नहीं। राज्यपाल की इस टिप्पणी पर सदन में मौजूद जनप्रतिनिधियों के बीच ठहाके गूंज उठे। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि वह महाराष्ट्र की राजनीति का उदाहरण दे रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा देश की ऐसी विधानसभा बन गई है जिसका आधिकारिक प्रतीक चिन्ह तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतीक चिन्ह राजस्थान की 75 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा, जनआकांक्षाओं और संवैधानिक मूल्यों का सजीव प्रतीक है। देवनानी ने कहा कि राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका राजस्थान विधानसभा की जनसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और संवैधानिक मर्यादा का आत्म मंत्र है। भारतीय परंपरा में धर्म का अर्थ सत्य, न्याय, संतुलन और लोककल्याण है तथा विधानसभा इन्हीं मूल्यों के अनुरूप कार्य करती है।

उन्होंने बताया कि विधानसभा के प्रमुख प्रवेश द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार नाम दिए गए हैं। वहीं बाहरी द्वारों को राजस्थान के विभिन्न सांस्कृतिक अंचलों-बृज, शेखावाटी, वागड़, मेवाड, मारवाड़, हाडौती, मेरवाड़ा और ढूंढाड-के नाम समर्पित किया गया है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा को पेपरलेस बनाने और सांस्कृतिक प्रतीकों को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ने की पहल को सराहनीय बताया।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधानसभा में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं और यह नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का कार्य करेगा। समारोह में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित कई मंत्री, विधायक और विधानसभा अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह के अभिकल्पक शेर सिंह को भी सम्मानित किया गया।

- विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर : राज्यपाल बागडे
- राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका जनसेवा का आत्म मंत्र : देवनानी

जनभागीदारी से जल संवर्धन को मिली नई दिशा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जल संरक्षण को सुशासन और जनभागीदारी का प्रमुख आधार बनाया है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप प्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने वाला 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 का शुभारंभ गंगा दशमी के दिन 25 मई से होने जा रहा है। यह अभियान 5 जून तक चलेगा। इसके तहत प्रदेश भर में जल संचयन और पौधारोपण के कार्य किये जाएंगे। पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से शुरू हुए अभियान को समाज के सभी वर्गों से अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। इसके परिणामस्वरूप जल संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गईं। इसी सफलता को आधार बनाकर इस वर्ष और अधिक व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, भू-जल स्तर सुधार और पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण जैसे विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता से धरातल पर उतारा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में प्रशासन, सामाजिक संगठनों, युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई हैं। वर्ष 2025 में अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में लगभग 3 लाख 70 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 1.32 करोड़ महिलाओं सहित कुल 2 करोड़ 53 लाख प्रदेशवासियों ने सहभागिता की। अभियान-2025 के दौरान 42 हजार 200 जल स्त्रोतों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। इसी का सफल परिणाम रहा कि वर्षाकाल में हमारे जल स्त्रोत लबालब होने से विभिन्न स्थानों पर भू-जल स्तर में वृद्धि हुई। इसके साथ ही 73 हजार 900 कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों में स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। प्रदेश में लगभग 18 हजार 900 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण एवं अवलोकन किया गया। साथ ही, 5 हजार 600 नए कार्यों की शुरुआत ने भविष्य के जल संरक्षण ढांचे को मजबूत आधार प्रदान किया गया।

- 'वंदे गंगा' जल संरक्षण अभियान 25 मई से 5 जून तक चलेगा